4/5/23

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस का आयोजनः श्रमिकों को गमछा देकर किया सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में दिनांक 01 मई 2023 दिन सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना एवं राजकीय गीत के द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप एवं दयानंद शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता तथा कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल तथा उपमंत्री संजय ताम्रकार व वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत अग्रवाल तथा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. (श्रीमती) मृदुला वर्मा, तुलाराम आर्य कन्या उ.मा. विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती नीना शिवहरे, धर्मपाल सिंह आर्य कन्या पब्लिक स्कूल की प्राचार्य गव्या चावड़ा एवं साथ ही समस्त प्राध्यापिकाएँ एवं कार्यालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

अतिथियों का स्वागत सम्मान श्रीफल व पौधा देकर किया गया। अतिथियों के द्वारा श्रमिकों को गमछा, पानी की बॉटल देकर सम्मानित किया गया एवं मध्यान्ह भोजन में बोरे बासी का भी खिलाया गया। कुलसचिव महोदय के द्वारा यह कहा गया कि मजदूर भी हमारे परिवार के ही सदस्य के समान होते है। अतः मजदूरों का हमें हमेशा सम्मान करना चाहिए। इस प्रकार महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न किया गया। मंच संचालन शिक्षा विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. (श्रीमती) निशा श्रीवास्तव ने किया ।

नवभारत 5/5/23

घनश्याम कॉलेज में मनाया श्रमिक दिवस

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप एवं दयानंद शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता तथा कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, उपमंत्री संजय ताम्रकार व वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत अग्रवाल तथा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, तुलाराम आर्य कन्या उ.मा. विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती नीना शिवहरे, धर्मपाल सिंह आर्य कन्या पब्लिक स्कूल की प्राचार्य गव्या चावड़ा सहित प्राध्यापिकाएं एवं कार्यालयीन कर्मचारीगण उपस्थित थे। अतिथियों का स्वागत श्रीफल व पौधा देकर किया गया। अतिथियों द्वारा श्रमिकों को गमछा, पानी की बाटल देकर सम्मानित किया गया एवं मध्यान्ह भोजन में बोरे बासी खिलाया गया। मंच संचालन शिक्षा विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. निशा श्रीवास्तव ने किया।

कालेज में श्रमिक दिवस मनाया

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय, दुर्ग में विगत दिनों अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना एवं राजकीय गीत के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के कुलसचिव भूपेन्द्र कुलदीप एवं दयानंद शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष आभारानी गुप्ता तथा कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता एवं कोषाध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल तथा उपमंत्री संजय ताम्रकार व वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत अग्रवाल तथा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, तुलाराम आर्य कन्या उमा विद्यालय की प्राचार्य नीना शिवहरे, धर्मपाल सिंह आर्य कन्या पब्लिक स्कूल की प्राचार्य गव्या चावडा एवं साथ ही समस्त प्राध्यापिकाएँ एवं कार्यालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत सम्मान श्रीफल व पौधा देकर किया गया। अतिथियों के द्वारा श्रमिकों को गमछा, पानी की बॉटल देकर सम्मानित किया गया एवं मध्यान्ह भोजन में बोरे बासी खिलाया गया। कुलसचिव महोदय के द्वारा यह कहा गया कि दूर भी हमारे परिवार के ही सदस्य के समान होते है । अतः मजदूरों का हमें हमेशा सम्मान करना चाहिए। इस प्रकार महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न किया गया, मंच संचालन शिक्षा विभाग की दरिद प्राध्यापिका डॉ. (श्रीमती) निशा श्रीवास्तव ने किया।

नवभारत 7/5/23

धर्मपाल सिंह आर्य पब्लिक स्कूल में समर कैंप का आयोजन

दुर्ग। धर्मपाल सिंह आर्य पब्लिक स्कूल में बच्चों के सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक विकास हेतु 10 दिवसीय समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। समर कैम्प की प्रमुख आयोजिका दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता है, जिनके निर्देशन में कैम्प सुचारू रूप से चल रहा है। समर कैम्प में बच्चों को जुम्बा डांस, आर्ट एण्ड क्राफ्ट, ड्राइंग, फन विद मैथ्स, वॉटर पूल फन कर्सिव राइटिंग तथा संस्कृत श्लोक उच्चारण सिखाया जा रहा है, इससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो रहा है। सभी बच्चे उत्साह से कैम्प का आनंद ले रहे हैं। समर कैम्प में स्कूल की प्राचार्या गव्या चावड़ा, तनुश्री, आमा साहू, बादल सभी विशेष योगदान दे रहे हैं। समिति के अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र सिंह गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता ने बच्चों के उत्साह को देखकर प्रशंसा की।

4/6/23 झलक

विश्व साइकिल दिवस

दुर्ग (छत्तीसगढ़ झलक)। को राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय दुर्ग के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर साइकिल चलाकर विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। इस साइकिल दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के कार्यकारी अध्यक्ष श्री दिग्विजय सिंह गुप्ता, उप प्राचार्य नीतू सिंह एवं वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉक्टर निशा श्रीवास्तव एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कि अधिकारी मेनका देशमुख एवं अन्य सहायक प्राध्यापिकाएं सम्मिलित थी। महाविद्यालय की उप प्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह ने साइकिल चलाने के महत्वपूर्ण जानकारी स्वयंसेवकों को प्रदान की गई।

दुर्ग (छत्तीसगढ़ झलक)। सोमवार राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय दुर्ग में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष श्रीमती आभा रानी गुप्ता एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ श्रीमती मृदुला वर्मा एवं उप प्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह एवं वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ श्रीमती निशा श्रीवास्तव एवं अन्य प्राध्यापिका एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेवकों द्वारा पौधारोपण किया गया एवं पौधों का संरक्षण का शपथ लिया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी मेनका देशमुख एवं समस्त प्राध्यापिकाए एवं कर्मचारी एवं स्वयंसेवकों के द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

5/06/23 झलक

नवभारत - 10/6/23

घनश्याम सिंह आर्य कन्या कॉलेज में मनाया पर्यावरण दिवस

दुर्ग। रेड क्रॉस के अंतर्गत घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष श्रीमती आभा रानी गुप्ता एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती मृदुला वर्मा एवं उप प्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह एवं वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. श्रीमती निशा श्रीवास्तव एवं अन्य प्राध्यापिका एवं रेडक्रॉस की छात्राओं द्वारा पौधारोपण किया गया एवं पौधों का संरक्षण का शपथ लिया गया। इस कार्यक्रम में रेडक्रॉस अधिकारी श्रीमती संगीता वर्मा एवं समस्त प्राध्यापिकाए एवं कर्मचारी एवं रेडक्रॉस के छात्राओं के द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

कन्या महाविद्यालय में रेडक्रास की छात्राओं ने पौधे रोपे

छात्राओं ने हरे रंग के परिधान में सेदेश भी दिया।

दुर्ग| रेडक्रॉस के अंतर्गत घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय दुर्ग में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। इस अवसर पर दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष आभा रानी गुप्ता, प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उप प्राचार्य नीतू सिंह, प्राध्यापिका डॉ. श्रीमती निशा श्रीवास्तव सहित अन्य प्राध्यापकों व रेड क्रॉस की छात्राओं ने पौधरोपण किया। साथ ही पौधों की सुरक्षा का संकल्प लिया। रेड क्रॉस अधिकारी संगीता वर्मा सहित अन्य उपस्थित थे।

नवभारत 25/06/23

घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में योगाभ्यास

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। जिसमें महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापिका और कर्मचारी एवं रेडक्रॉस के छात्राओं द्वारा योगाभ्यास किया गया। योगा का प्रारंभ ओम की ध्वनि से किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के आसन एवं प्राणायाम किया गया और शांति पाठ के साथ समाप्त किया गया। इस अवसर पर दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष श्रीमती आभा रानी गुप्ता ने स्वयंसेवकों को योग के लाभ को बताया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती मृदुला वर्मा, उपप्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह एवं वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. निशा श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

नवभारत 6/07/23

लिप्पन, फेब्रिक, मधुबनी, ढोकरा, गोदना आर्ट का प्रशिक्षण

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में दस दिवसीय हस्तशिल्प कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रशिक्षिका के रूप में विनीता गुप्ता एवं उनकी टीम द्वारा हस्तशिल्प कला सिखाया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मृदुला वर्मा, उप प्राचार्या श्रीमती नीतू सिंह, सभी संकाय की विभागाध्यक्ष एवं सांस्कृतिक प्रभारी प्रीतिका ताम्रकार, नीलमणि त्रिपाठी, दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष आभा रानी गुप्ता सहित महाविद्यालय की प्राध्यापिकाओं का सराहनीय योगदान रहा। कार्यशाला के पहले दिन लिप्पन आर्ट, दूसरे दिन फेब्रिक आर्ट, तीसरे दिन मधुबनी आर्ट, चौथे दिन ढोकरा आर्ट, पांचवें दिन गोदना आर्ट, छठवें दिन फीज मैग्नेट आर्ट, सातवें दिन टाई एंड डाई आठवें दिन क्ले ज्वेलरी, नवमें दिन ब्लॉक प्रिंटिंग एवं दसवें दिन बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट आर्ट का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में मुख्य अतिथि शासकीय विद्यालय धनोरा की व्याख्याता डॉ. सरिता श्रीवास्तव, जो कि प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना एवं नृत्य प्रशिक्षिका भी है। प्रतिभागियों में प्रथम स्थान चंचल जैन, द्वितीय स्थान शिखा जैन एवं तृतीय स्थान आस्था ताम्रकार को मिला। विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. मृदुला वर्मा ने आभार व्यक्त किया।

दुर्ग प्रहरी 07/08/2023

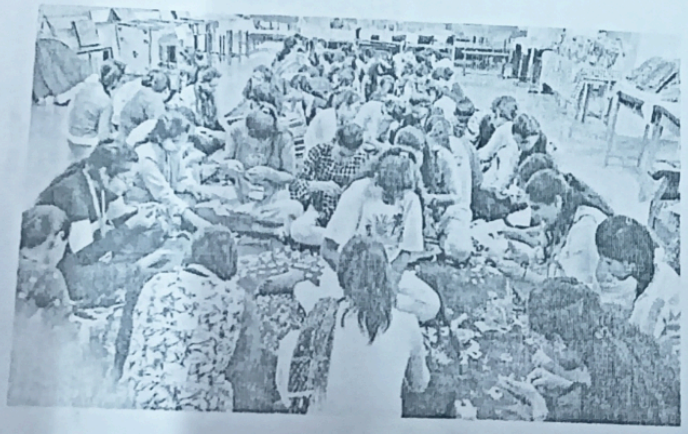

तीन दिवसीय राखी प्रशिक्षण कार्यशाला क्राफ्ट प्रदर्शनी का घनश्याम से आर्य कन्या महाविद्यालय में आज दिनांक 7/08/23 को शुभारंभ हुआ प्रदर्शनी का शुभारंभ संस्था के अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र सिंह गुप्ता जी के द्वारा किया गया । सरस्वती पूजन के पश्चात मुख्य अतिथि ,प्रशिक्षक सिद्धि स्व सहायता समूह की संचालिका श्रीमती गीता राजपूत का स्वागत किया गया । तत्पश्चात छात्राओं को प्रथम दिवस श्रीमती गीता राजपूत बघेरा दुर्ग परिवर्तन महिला स्व सहायता समूह की अध्यक्ष के द्वारा परंपरागत राखी बनाने का प्रशिक्षण दिया गया ।जिसे छात्राओं ने हर्षोल्लास के साथ सीखा। द्वारा बनाए गए हैं।

कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य, डॉ मृदुला वर्मा, प्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह अन्य प्राध्यापिका उपस्थित थी। कार्यक्रम प्रभारी कला एवं वाणिज्य संकाय प्रमुख श्रीमती तृप्ति खनंग, सुश्री जूही सोनछात्रा रही।

दुर्ग नवप्रदेश 09/08/2023

राखी प्रशिक्षण कार्यशाला क्राफ्ट प्रदर्शनी

दुर्ग/नवप्रदेश। तीन दिवसीय राखी प्रशिक्षण कार्यशाला क्राफ्ट प्रदर्शनी का घनश्याम आर्य कन्या महाविद्यालय में शुभारंभ हुआ। प्रदर्शनी का शुभारंभ संस्था के अध्यक्ष डॉ राघवेंद्र सिंह गुप्ता के द्वारा किया गया। सरस्वती पूजन के पश्चात मुख्य अतिथि,प्रशिक्षक सिद्धि स्व सहायता समूह की संचालिका गीता राजपूत का स्वागत किया गया। तत्पश्चात छात्राओं को प्रथम दिवस गीता राजपूत बघेरा दुर्ग परिवर्तन महिला स्व सहायता समूह की अध्यक्ष के द्वारा परंपरागत राखी बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। जिसे छात्राओं ने हर्षोल्लास के साथ सीखा। द्वारा बनाए गए हैं। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य, डॉ मृदुला वर्मा, प्राचार्य नीतू सिंह अन्य प्राध्यापिका उपस्थित थी। कार्यक्रम प्रभारी कला एवं वाणिज्य संकाय प्रमुख तृप्ति खनंग,जूही सोनछात्रा रही।

नवभारत 20/08/2023

कार्यशाला में छात्राओं ने सीखा राखी बनाना

दुर्ग। 7 अगस्त को घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में 8 दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ दयानंद शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उप प्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह एवं समस्त प्राध्यापिकाओं की उपस्थिति में सरस्वती पूजन एवं वंदना द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि प्रशिक्षक सिध्दि स्वसहायता समूह की संचालिका श्रीमती गीता राजपूत का स्वागत किया गया। तत्पश्चात छात्राओं को प्रथम दिवस श्रीमती गीता द्वारा परम्परागत राखी बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

द्वितीय दिवस धान द्वारा राखी बनाना सिखाया गया, जिसे छात्राओं ने बहुत ही अच्छे से बनाया और साथ ही साथ धान की गुणवत्ता के बारे में भी बताया गया। तृतीय दिवस मौली धागा की राखी बनाना सिखाया गया एवं राखी पैकिंग करना तथा बेचने की कला को सिखाया गया। चतुर्थ दिवस मेहंदी प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिनकी प्रशिक्षिका श्रीमती पुष्पा यादव एवं मेघा यादव द्वारा छात्राओं को मेहंदी का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें बेसिक डिजाइन बनाना सिखाया गया। पांचवें दिवस छात्राओं को अरेबियन मेहन्दी की कला सिखाई गई और मेहन्दी की खास डिजाइनों को छात्राओं द्वारा हाथों में लगाकर मेहन्दी की उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन किया गया। छठवें दिवस की कार्यशाला में छात्राओं द्वारा अपनी मेहन्दी कला का प्रदर्शन सभी प्राध्यापिकाओं एवं छात्राओं के हाथों में लगाकर किया गया। साथ ही साथ हस्तशिल्प प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार के जूट बैग, सजावटी पॉट, ग्रिटिंग कार्ड, सॉफ्ट टॉय छात्राओं द्वारा बनाये गये सामानों की प्रदर्शनी एवं बिक्री की गई।

तत्पश्चात महाविद्यालय में 8 दिवसीय कार्यशाला राखी एवं मेहन्दी कला का समापन किया, जिसमें बी.ए. बी.कॉम. की छात्राओं ने हिस्सा लिया एवं इस 8 दिवसीय कार्यशाला में छात्राओं को बहुत कुछ सीखने को मिला। कार्यशाला की समाप्ति पर महाविद्यालय परिवार की ओर से उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता द्वारा प्रशिक्षिकाओं को सम्मान स्वरूप भेंट एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

नवभारत 21/08/2023

न्यूज डायरी

घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय ध्वजारोहण

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय के प्रांगण में आजादी के अमृत महोत्सव के तहत स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। जिसमें दयानंद शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उपप्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह एवं मुख्य अतिथि के रूप में छग आर्य प्रतिनिधि सभा के कोषाध्यक्ष आचार्य जगबंधु एवं दो सन्यासी सहित महाविद्यालय के समस्त विभाग की विभागाध्यक्ष, सहायक प्राध्यापिकाएं एवं छात्राएं उपस्थित रही। ध्वजारोहण का कार्यक्रम मुख्य अतिथि आचार्य दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष, महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि ने अपने उद्‌बोधन में सभी प्राध्यापिकाओं एवं छात्राओं को स्वतंत्रता दिवस के महत्व की जानकारी दी। प्राचार्य ने घनश्याम सिंह गुप्त के बारे में जानकारी दी जो स्वयं स्वतंत्रता सेनानी थे।

14/09/23 पत्रिका

भारत के लोकतंत्र की नींव संविधान को हिंदी में अनुवाद कर जन-जन तक पहुंचाने में दुर्ग के घनश्याम सिंह गुप्त ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी

घनश्याम सिंह गुप्त ने आजादी से पहले ही हिंदी में शुरू कर दी थी विधानसभा की कार्यवाही

हिंदी दिवस

दुर्ग निवासी संजीव तिवारी पेशे से अधिवक्ता हैं और घनश्याम सिंह गुप्त के संविधान संबंधी अवदानों पर आधारित एक किताब 'विधान पुरुषः दाउ घनश्याम सिंह गुप्त' के लेखक हैं। पत्रिका के आग्रह पर हिंदी दिवस के अवसर पर उन्होंने यह आलेख लिखा है।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भिलाई. 12 से 14 सितंबर 1949 के बीच भारतीय संविधान सभा में हिंदी पर बहस हुई। अन्य सदस्यों के साथ ही मध्य प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री पं. रविशंकर शुक्ल ने भी संविधान सभा में हिंदी के समर्थन में बहस में भाग लिया। इस अवधि में संविधान में हिंदी का सबसे बड़ा योगदान देने वाले घनश्याम सिंह गुप्त की संविधान सभा में उपस्थिति का उल्लेख नहीं मिलता है।

घनश्याम सिंह गुप्त संविधान सभा में भाषा संबंधी बहसों से परे संविधान का हिंदी अनुवाद करने में व्यस्त रहे। वे आश्वस्त थे और डॉ. राजेंद्र प्रसाद (संविधान सभा के अध्यक्ष) के साथ उनका अघोषित समझौता था कि संविधान सभा में हिंदी राजभाषा के रूप में स्वीकार की जाएगी। संविधान निर्माण आरंभ होने से पूर्व ही हिंदी को भारत की बिंदी बनाने के लिए पं. रविशंकर शुक्ल और धनश्याम सिंह गुप्त की युगल जोड़ी ने प्रयास आरंभ कर दिया था।

घनश्याम सिंह गुप्त ने आधिकारिक तौर पर हिंदी को स्थापित करने का कार्य 1937 में ही कर दिया था, जब वे सीपी एण्ड बरार के विधान सभा अध्यक्ष मनोनीत हुए। विधानसभा की आधिकारिक कार्यवाही और बहसों में अंग्रेजी की अनिवार्यता को उन्होंने एक झटके में खत्म कर दिया था। वह भी ऐसे समय में जब देश में अंग्रेजों का शासन था। यह उनके अधिकार प्राप्त होने पर जनभावनाओं के अनुरूप फैसलों को लागू करने की अद्भुत संकल्पशक्ति को प्रकट करती है, जिसे राजनेताओं को सीख लेनी चाहिए। गांधी जी ने यंग इंडिया के पहले पन्ने पर घनश्याम सिंह गुप्त के इस निर्णय की तारीफ करते हुए 'रिमार्केबल रूलिंग' शीर्षक से एक आलेख लिख कर छत्तीसगढ़ के छोटे से नगर दुर्ग के घनश्याम सिंह गुप्त की प्रशंसा की थी। उन्होंने हिंदी को गरिमा प्रदान किया।

संविधान सभा में संविधान के हिंदी अनुवाद प्रस्तुत करते हुए घनश्याम सिंह गुप्त ने कहा था कि 'हमें यह भी स्मरण रखना चाहिए कि हमारा प्रयत्न आज के लिए नहीं, बल्कि भावी संतानों के लिए है। और हमें वह करना है जो उनके उन्नति में सहायक हो, चाहे वह आज हमारे लिए सुविधाजनक हो न हो, चाहे उससे हमारी भावनाओं पर कुछ आघात भी पहुंचता हो।' उन्होंने संविधान के हिंदी संस्करण को ही मूल संविधान संस्करण के रूप में महत्ता देने की भी मांग की किन्तु यह नहीं हुआ। उन्होंने संविधान का जो हिंदी संस्करण प्रस्तुत किया, ज्यादातर हिंदी भाषी लोगों के लिए उपयोगी है। संविधान प्रस्तावना के आरंभिक शब्द भाषियों को हिंदी में ही याद हैं।

संविधान की हिंदी प्रति सौंपते हुए

24 जनवरी 1950 को संविधान की हिंदी प्रति घनश्याम सिंह गुप्त ने हस्ताक्षर कर संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद को संविधान सभा में सौंपे थे। तस्वीर में राहुल सांस्कृत्यायन पीछे खड़े नजर आ रहे हैं।

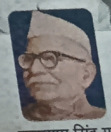

घनश्याम सिंह गुप्त

24/09/2023 नवभारत

घनश्याम सिंह महाविद्यालय के छात्राओं का शैक्षणिक भ्रमण

दुर्ग। 16 सितम्बर को घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय द्वारा शैक्षणिक भ्रमण हेतु सिरपुर मंदिर, सिरपुर किला, दशकुण्ड वॉटर फॉल ले जाया गया। जिसमें दयानंद शिक्षा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. (श्रीमती) मृदुला वर्मा, उपप्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह, समस्त विभागाध्यक्ष, समस्त सहायक प्राध्यापिकाएं, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ग कर्मचारी एवं सभी संकाय की छात्राएं सर्वप्रथम सिरपुर मंदिर जहां शिव मंदिर, राम-सीता, राधाकृष्ण मंदिरों का दर्शन किया तथा सिरपुर का ऐतिहासिक लक्ष्मण मंदिर जो सन् 525 से 540 के बीच ईंटों का बना हुआ का दर्शन किया। वहां के पत्थरों के शिला अभिलेख के विषय में छात्राओं को ऐतिहासिक जानकारियां प्रदान किया गया। पुरातात्विक विभाग द्वारा खुदाई से प्राप्त पत्थरों की प्राचीन मूर्तियों को संग्रहालय में संरक्षित रखा गया है उसका अवलोकन कराया गया। संग्रहालय में बौद्ध प्रतिमाएं, प्राचीन शिवलिंग तथा विभिन्न प्रकार की प्राचीन प्रतिमाओं का दर्शन किया गया। तत्पश्चात दशकुण्ड जलप्रपात के प्राकृतिक सुन्दरता के दृश्य को देखकर सभी का मन पुलकित व आनंदित हो उठा। प्रकृति के इस खुबसूरत दृश्य को सभी के द्वारा अपने-अपने तरीके से कैमरे में कैद कर लिया गया।

4/10/23 नवभारत

घनश्याम सिंह कॉलेज में चला स्वच्छता अभियान

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में रेडक्रॉस द्वारा स्वच्छता ही सेवा है कार्यक्रम के तहत छात्राओं द्वारा महाविद्यालय परिसर से अग्रसेन चौक तक की साफ सफाई की एवं स्वच्छता के बारे में सभी को जागरूक किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. निशा श्रीवास्तव एवं समस्त प्राध्यापिकाएं व छात्राएं सम्मिलित थे। रेडक्रॉस अधिकारी संगीता वर्मा एवं सहयोगी गोपिका के नेतृत्व में कार्यक्रम हुआ।

5/10/2023 नवभारत

घनश्याम सिंह कॉलेज में गणेश पर्व उत्साह से मना

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय के सभागार में प्रथम बार शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि के दिन गणेश प्रतिमा की स्थापना की गई। भगवान श्री गणेश की पूजा व आरती महाविद्यालय में पूरे ग्यारह दिन उल्लास के साथ उनकी वंदना की गई। प्रत्येक दिवस की पूजन में दयानंद शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता, महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उपप्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह, समस्त विभागाध्यक्ष, समस्त प्राध्यापिकाएं तथा तृतीय व चतुर्थ वर्ग कर्मचारीगण एवं सभी संकाय की छात्राएं उपस्थित रही। 29 सितम्बर को शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को अनन्त चतुर्दशी मनाई गई। ग्यारहवें दिन हवन पूजन व महाआरती के साथ महाप्रसादी में खिचड़ी का वितरण किया गया।

13/10/2023 नवभारत

घनश्याम सिंह आर्य कन्या कालेज में मिलेट्स पर व्याख्यान

दुर्गा घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में 11 अक्टूबर को अंर्तराष्ट्रीय मिलेट् ईयर के उपलक्ष्य में मुख्य अतिथि के रुप में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अरुणा फत्या का व्याख्यान रखा गया। कार्यक्रम में दयानंद शिक्षा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष आभा रानी गुप्ता, सदस्य डॉ. नागेन्द्र शर्मा, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उपप्राचार्य नीतू सिंह, समस्त संकाय के विभागाध्यक्ष, समस्त सहायक प्राध्यापिकाएं तथा तृतीय व चतुर्थ वर्ग कर्मचारीगण एवं सभी संकाय की छात्राएं उपस्थित रही। कार्यक्रम का मंच संचालन वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. निशा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत के साथ की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. अरुणा फत्या का स्वागत उपाध्यक्ष आभा रानी गुप्ता द्वारा पौधा एवं मोमेंटो देकर किया गया। कुलपति ने श्रीधान्य अर्थात् मिलेट् की वर्तमान में उपयोगिता पर प्रकाश देते हुए बताया कि भोजन में मिलेट्स को शामिल किया जाए और मिलेट्स के व्यंजनो और उनके उपयोगिता के बारे में जानकारी दी तथा मिलेट्स से बने पदार्थो को प्रतिदिन के आहार में शामिल करने कहा गया। जिससे मधुमेह, कैंसर, हृदय संबंधी रोगों आदि से बचा जा सके। साथ ही जीवन में सही दिनचर्या अपनाने, योग करने व देखने का नजरिया को जीवन में शामिल करने को कहा गया। तत्पश्चात् बी.एड. की छात्राओं द्वारा राजकीय गीत के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत नाटिका व योग आसन को दर्शाते हुए नृत्य की प्रस्तुति छात्राओं द्वारा दी गई तथा विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। अंत में प्राचार्य द्वारा आभार व्यक्त करते हुए छात्राओं को बताया गया कि कुलपति द्वारा बताये गये उपयोगी जानकारी को सभी आत्मसात करे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई।

छत्तीसगढ़ झलक 13/10/23

अंतराष्ट्रीय मिलेट् ईयर के उपलक्ष्य में व्याख्यान

दुर्ग (छत्तीसगढ़ झलक)। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय, दुर्ग में दिनांक 11.10.2023 दिन बुधवार को अंतराष्ट्रीय मिलेट् ईयर के उपलक्ष्य में मुख्य अतिथि के रूप में हेमचंद यादव विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा जी का व्याख्यान रखा गया। जिसका विषय Millets: "A Miracle food for 06 ..." था। कार्यक्रम में दयानंद शिक्षा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष श्री दिग्विजय सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता, सदस्य एडवोकेट डॉ. नागेन्द्र शर्मा, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उप प्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह, समस्त संकाय के विभागाध्यक्ष, समस्त सहायक प्राध्यापिकाएं तथा तृतीय व चतुर्थ वर्ग कर्मचारीगण एवं सभी संकाय की छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का मंच संचालन वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. निशा श्रीवास्तव के द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत के साथ की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माननीय डॉ. अरुणा पल्टा जी का स्वागत उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता जी के द्वारा पौधा एवं मोमेंटो देकर किया गया। माननीय कुलपति जी ने श्रीअन्न अर्थात मिलेट् की वर्तमान में उपयोगिता पर प्रकाश देते हुए बताया कि भोजन में मिलेट्स को शामिल किया जाए और मिलेट्स के व्यंजनों और उनके उपयोगिता के बारे में जानकारी दी तथा मिलेट्स से बने पदार्थों को प्रतिदिन के आहार में शामिल करने कहा गया।

जिससे मधुमेह, कैंसर, हृदय संबंधी रोगों आदि से बचा जा सके। साथ ही जीवन में सही दिनचर्या अपनाने, योग करने व देखने का नजरिया को जीवन में शामिल करने को कहा गया। तत्पश्चात् बी.एड. की छात्राओं द्वारा राजकीय गीत के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत नाटिका व योग आसन को दर्शाते हुए नृत्य की प्रस्तुति छात्राओं द्वारा दी गई तथा विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। अंत में प्राचार्य महोदया के द्वारा आभार व्यक्त करते हुए छात्राओं को बताया गया कि माननीय कुलपति महोदया द्वारा बताये गये उपयोगी जानकारी को सभी आत्मसात करें। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई।

ब्रेस्ट...

दुर्ग। महावि... को ब्रेस्ट... आयोज... की शुरु... गया। इ... राखी न... नागरिय... उपाध्य... महावि... मृदुला... साथ...

OPPO A59 5G
2024.08.22 13:09

23 30/10/23

ब्रेस्ट कैंसर पर आर्य कन्या कॉलेज में हुआ व्याख्यान

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय आर्य नगर में 28 अक्टूबर को ब्रेस्ट कैंसर के विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया है। जिसमें कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राखी नागरिया, इनेश दत्त नागरिया, रितिशा नागरिया एवं दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता तथा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. (श्रीमती) मृदुला वर्मा, उप प्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह साथ ही समस्त संकाय की विभागाध्यक्ष

सहायक प्राध्यापिकाएं एवं समस्त संकाय की छात्राएं उपस्थित रही। उपाध्यक्ष द्वारा अतिथियों का सम्मान श्रीफल, पौधा व उपहार देकर किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा ब्रेस्ट कैंसर के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई तथा प्लास्टिक से बने सामानों का उपयोग न करने को कह गया। हर सप्ताह ब्रेस्ट को स्वय से जांच को कहा गया। कैंसर से पीडितों के लि अपने बालों को दान देने के लिए प्रेरि किया। महाविद्यालय की प्राचार्य ने अप बालों को दान देने की घोषणा की ए महाविद्यालयीन परिवार द्वारा कैंसर पीडि की सहायता करने के लिए शपथ ली ग

नई दुनिया 2/11/2023

तृप्ति खनंग को मिली पीएचडी की डिग्री

दुर्ग (वि.)। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा गृह विज्ञान विषय में घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापिका तृप्ति खनंग को उनके शोध विषय 'इफेक्ट आफ सोशियो डेमोग्राफिक वेरिएबल आन एम्टी नेस्ट सिंड्रोम' के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। इनका अनुसंधान केंद्र शासकीय वामन राव वासुदेव पाटणकर स्नाकोत्तर कन्या महाविद्यालय दुर्ग था। इन्होंने अपना शोध कार्य डा. बबिता दुबे सहायक संचालक उच्च शिक्षा विभाग रायपुर के मार्गदर्शन में पूरा किया।

तृप्ति खनंग। ● स्वयं

नवभारत २५/११/२०२३

हमर क्लीनिक में हुआ मितानिनों का सम्मान

घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय ने किया उरला वार्ड 58 में आयोजन

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय द्वारा बाम्बे आवास हमर क्लीनिक उरला वार्ड 58 में 23 नवम्बर को मितानिन सम्माह समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि सीटी कॉर्डिनेटर भिकू देशमुख, एरिया कॉर्डिनेटर श्रीमती किरण बोपाराम, मास्टर ट्रेनर हेमलता साहू, लक्ष्मी साहा तथा नंदिता मजूमदार का स्वागत दयानंद शिक्षा समिति दुर्ग के कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता तथा सदस्य आकाश मजूमदार द्वारा मुख्य अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। सभी मितानिनों को घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय एवं रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा मोमेन्टो एवं कंबल देकर सम्मानित किया गया।

सीटी कॉर्डिनेटर भिकू देशमुख ने बताय कि आज ही के दिन मितानिन दिवस की स्थापना की गई थी। मितानिन बहनों की कार्य की सराहना करते हुए उनके द्वारा किए गए कार्य की महत्व के विषय में बताया। दयानंद शिक्षा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता द्वारा घोषणा की गई कि उरला वार्ड में निवासरत ग्यारह बालिकाओं को कला एवं वाणिज्य संकाय में स्नातक स्तर में निःशुल्क शिक्षा प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उपप्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह, वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. निशा श्रीवास्तव तथा महाविद्यालय की समस्त संकाय के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर 26/11/2023

आर्य कन्या महाविद्यालय प्रबंधन उरला वार्ड की 11 बालिकाओं को दिलाएगा निशुल्क शिक्षा, घोषणा

दुर्ग/घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय, दुर्ग (छग) द्वारा बाम्बे आवास हमर क्लीनिक, उरला में मितानिन सम्माह समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी मितानिनों को महाविद्यालय और रेडक्रास सोसाइटी द्वारा मोमेंटों और कंबल देकर सम्मानित किया गया। सिटी कोऑर्डिनेटर भिकू देशमुख ने बताया कि मितानिनों के कार्य की सराहना करते हुए समाज में उनकी भूमिका बताई। दयानंद शिक्षा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता ने उरला वार्ड में निवासरत 11 बालिकाओं को कला एवं वाणिज्य संकाय में स्नातक स्तर में निशुल्क शिक्षा प्रदान करने की घोषणा की। एरिया कोऑर्डिनेटर किरण बोपाराम, हेमलता साहू, लक्ष्मी साहा, नंदिता मजूमदार, आकाश मजूमदार, प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, नीतू सिंह आदि उपस्थित थे।

२८/११/२३ हरिभूमि -

कॉलेज ने मितानिनों को किया सम्मानित

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय द्वारा बाम्बे आवास हमर क्लीनिक, उरला वार्ड-58, दुर्ग में मितानिन सम्माह समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सीटी कॉर्डिनेटर भिकू देशमुख, एरिया कॉर्डिनेटर श्रीमती किरण बोपाराम, मास्टर ट्रेनर श्रीमती हेमलता साहू, श्रीमती लक्ष्मी साहा तथा नंदिता मजूमदार का स्वागत दयानंद शिक्षा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता तथा सदस्य आकाश मजूमदार द्वारा सम्मानित किया गया। सभी मितानिन बहनों को घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय एवं रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा मोमेन्टो एवं कंबल देकर सम्मानित किया गया। भिकू देशमुख के द्वारा बताया गया कि 23 नवंबर 2002 को मितानिन दिवस की स्थापना की गई थी। दिग्विजय सिंह गुप्ता द्वारा उरला वार्ड में निवासरत ग्यारह बालिकाओं को कला एवं वाणिज्य संकाय में स्नातक स्तर में निःशुल्क शिक्षा प्रदान करने की घोषणा की। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उपप्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह, वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. निशा श्रीवास्तव, तथा महाविद्यालय की समस्त संकाय के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहें। अंत में प्राचार्य द्वारा कार्यक्रम की समाप्ति की घोषणा की गई।

घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में हुई गोष्ठी

दुर्ग (वि.)। गुरु नानक देव की जयंती प्रकाश पर्व पर घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय दुर्ग में 'गुरुनानक जी के साहित्य का सामाजिक और सांस्कृतिक प्रदेय' विषय पर गूगल मीट के माध्यम से तरंग गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में विषय पर विचार व्यक्त करते हुए बाल साहित्यकार व शिक्षाविद बलदाऊ राम साहू ने कहा कि गुरुनानक देव हिंदी भक्तिकालीन ज्ञानाश्रयी शाखा में संत मत के प्रमुख स्तंभ थे।

उन्होंने समाज में मानवीय मूल्यों की स्थापना, लोक कल्याण, के लिए काव्य को माध्यम बनाया और जनमानस तक संदेश पहुंचाया। नानक देव की वाणी में युग की चेतना है। लोक से संबंधित समस्त अंतर्द्वंद्व उनके अनुभव जगत में समाया हुआ है।

गुरु नानक देव जी मानवीय कल्याण के प्रबल पक्षधर थे। इस आयोजन में दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष आभारानी गुप्ता, प्राचार्य डा. मृदुला वर्मा एवं महाविद्यालय के समस्त विभाग की विभागाध्यक्ष, सहायक प्राध्यापक, छात्राएं, शोधार्थियों के साथ अन्य महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक भी उपस्थित रहे।

A59 5G
3.22 13:13

नवभारत 30/11/23

गुरु नानक देव ने मानवीय मूल्यों की स्थापना और लोक जागरण हेतु काव्य को माध्यम बनाया- बलदाऊ राम साहू

दुर्ग। गुरु नानक देव की जयंती प्रकाश पर्व पर 27 नवंबर को घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में गुरुनानक जी के साहित्य का सामाजिक और सांस्कृतिक प्रदेय विषय पर गूगल मीट के माध्यम से तरंग गोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में विषय पर विचार व्यक्त करते हुए सुविख्यात बाल साहित्यकार एवं शिक्षाविद बलदाऊ राम साहू ने कहा, गुरुनानक देव हिन्दी भक्तिकालीन ज्ञानाश्रयी शाखा में संत मत के प्रमुख स्तंभ थे। उन्होंने समाज में मानवीय मूल्यों की स्थापना, लोक कल्याण, शांति-बंधुत्व, मैत्री भावना तथा धार्मिक जागरण हेतु काव्य को माध्यम बनाया तथा आम-जनमानस तक अपना संदेश पहुंचाया। इस आयोजन में दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता, प्राचार्य डॉ. (श्रीमती) मृदुला वर्मा एवं महाविद्यालय के समस्त विभाग की विभागाध्यक्ष, सहायक प्राध्यापक, छात्राएं, शोधार्थियों के साथ अन्य महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन निशा साहू (सहायक प्राध्यापक) व आभार नीतू सिंह (उप प्राचार्य) द्वारा किया गया। टेक्निकल इंचार्ज सौरभ साहू द्वारा कार्यक्रम का प्रबंधन किया गया।

नवभारत 10/12/2023

राष्ट्रीय सेवा योजना 7 दिवसीय विशेष ग्रामीण शिवि

घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत सेजस स्कूल ग्राम नगपुरा में आयोजन

दुर्ग। 1 से 7 दिसंबर तक घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत सेजस स्कूल ग्राम नगपुरा में 7 दिवसीय विशेष ग्रामीण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें प्रथम दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजा एवं वंदना से किया गया। मुख्य अतिथि सरपंच भूपेन्द्र रिगरी एवं पंच बलराम कश्यप एवं सेजस स्कूल के प्राचार्य बसंत यादव तथा दयानंद शिक्षा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता, प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उपप्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह, एनएसएस प्रभारी मेनका देशमुख, अंजू देवी भारती एवं सभी सहायक प्राध्यापिकाएं उपस्थित रही। साथ ही एनएसएस छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। संरपंच द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के तहत छात्राओं को 7 दिवसीय शिविर की शुभकामनाएं दी गई। द्वितीय दिवस के कार्यक्रम में दयानंद शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र सिंह गुप्ता, विधिक साक्षरता के अंतर्गत मुख्य अतिथि अधिवक्ता डॉ. नागेन्द्र शर्मा, अधिवक्ता विजय शर्मा उपस्थित रहे। डॉ. नागेन्द्र शर्मा द्वारा मौलिक अधिकारों एवं कर्त्तव्यों की महत्वपूर्ण जानकारी ग्रामवासियों एवं छात्राओं को दी गई। साथ ही डी.एल.एड. की छात्राओं द्वारा सामुदायिक शिविर के अंतर्गत जागरूकता रैली निकाली गई तथा विभिन्न प्रकार के खेल एवं मनोरंजक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। तृतीय दिवस में स्वास्थ्य पर चर्चा कार्यक्रम में दंत चिकित्सक डॉ. अशोक वर्मा, डॉ. विक्रम सिंह बघेल उपस्थित रहे। उन्होंने स्वास्थ्य से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी छात्राओं एवं ग्राम वासियों को दी। साथ ही दंत परीक्षण का कार्य भी शिविर में किया गया। बच्चों द्वारा योग नृत्य की प्रस्तुति दी गई तथा संध्या काल में एनएसएस के छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नगपुरा ग्राम के छोटे-छोटे बच्चों व महिलाओं द्वारा सुआ नृत्य प्रस्तुत किया गया।

चतुर्थ दिवस राष्ट्रीय सेवा योजना और बेटियों की महत्ता पर श्रीमती निशा साहू के द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। बी.एड. की छात्राओं के द्वारा सामुदायिक शिविर के अंतर्गत गांव में जागरूकता रैली निकाल कर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्र प्रस्तुत किया गया। साथ ही छात्राओं द्वारा नुक्क नाटक व गांव के बच्चों को क्रापट के माध्यम विभिन्न प्रकार की सजावटी वस्तुएं ब सिखाया गया। पांचवें दिन स्वच्छता का का रखा गया। छठवें दिन पौधारोपण एवं सांस्कृ कार्यक्रम किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के में जिला संगठक डॉ. विनय शर्मा, राष्ट्रीय योजना कार्यक्रम अधिकारी, (वैशाली नगर) कुमार ठाकुर, दयानंद शिक्षा समिति के उपा श्रीमती आभारानी गुप्ता, उपप्राचार्य श्रीमती सिंह द्वारा स्वयं सेवकों को मेडल से सम्मा किया एवं कैम्प फायर किया गया। तत्प एनएसएस छात्राओं हेतु महाविद्यालय से सं मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगि आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योज अंतिम सातवें दिन राष्ट्रीय सेवा योजना के दिवसीय शिविर का समापन किया गया।

पत्रिका - 21/12/23

गुरु घासीदास के अनमोल वचन के महत्व को बताया : विभा

गुरु घासीदास जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण। ● कालेज

दुर्ग (वि.)। समाज को एकता, भाईचारा एवं समरसता का संदेश देनें वाले संत गुरु घासीदास की जयंती घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय दुर्ग में मनाई गई। इस अवसर पर दयानंद शिक्षण समिति के अध्यक्ष राघवेंद्र सिंह गुप्ता ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। हिंदी विभागाध्यक्ष विभा शर्मा ने गुरु घासीदास के दस अनमोल वचन के महत्व को बताया। गृहविज्ञान विभागाध्यक्ष डा. तृप्ति खनंग ने गुरु घासीदास के व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। उपप्राचार्य नीतू सिंह एवं प्रशांत अग्रवाल ने भी अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थीयों के द्वारा पंथी गीत की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन हिंदी विभाग की ओर से निशा साहू ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय से मेनका देशमुख, प्रेरणा ठाकुर, आलिया खान, गोपिका देवांगन, संगीता रानी मिश्रा, किरण वैष्णव, मधु ध्रुवे आदि अध्यापक गण उपस्थित रहे।

नवभारत 25/12/2023

आर्य कन्या विद्यालय में मनाई गई घनश्याम सिंह गुप्त जयंती

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय के सभागार में 22 दिसंबर को घनश्याम सिंह गुप्त जयंती मनाई गई। कार्यक्रम का प्रारंभ वैदिक मंत्र, हवन एवं वेदपाठ से हुआ। कार्यक्रम में दयानंद शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र सिंह गुप्ता एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती स्मृति रानी गुप्ता, कोषाध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, अधिवक्ता डॉ. नागेन्द्र शर्मा, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उपप्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह, वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ. निशा श्रीवास्तव, विना शर्मा एवं समस्त विभाग के विभागाध्यक्ष, सहायक प्राध्यापिकाएं था समस्त संकाय की छात्राएं उपस्थित थी। इस अवसर पर घनश्याम सिंह गुप्त द्वारा किए ए सराहनीय कार्यों पर प्रकाश डाला गया। वे संविधान निर्मात्री समिति के सदस्य थे तथा वाह अधिनियम को पारित करवाने में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण थी। संविधान की तावना में अंग्रेजी के वी द प्युपिल ऑफ इंड़िया की जगह हम भारत के लोग जैसा सरल ग्राह्य शब्द पढ़ते हैं तो यह स्व. घनश्याम सिंह गुप्त की देन है।

व्रतभारत - 14/1/2024

यौन शिक्षा पर एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में 13 जनवरी को अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था, जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. शिवानी बंसल द्वारा यौन शिक्षा पर व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम में दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता एवं महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उपप्राचार्य श्रीमती नीतू सिंह, सभी संकाय की विभागाध्यक्ष, सहायक प्राध्यापिका, कर्मचारीगण एवं सभी छात्राएं उपस्थित रही। मुख्य अतिथि का स्वागत उपाध्यक्ष द्वारा पौधा व उपहार देकर किया गया। तत्पश्चात यौन शिक्षा आदि से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हुए छात्राओं को यौन शिक्षा आदि से संबंधित विचारों को खुलकर बात करने के लिए प्रेरित किया तथा छात्राओं एवं सहायक प्राध्यापिकाओं द्वारा पूछे गए समस्याओं का भी निराकरण किया। कार्यक्रम का संचालन, सहायक प्राध्यापिका, जूली सोनछात्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

घनश्याम सिंह कन्या महाविद्यालय में विविध आयोजन

आनंद मेला के साथ कार्यक्रम का समापन

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में 17 से 19 जनवरी तक वार्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें 17 जनवरी को मेहंदी प्रतियोगिता, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट एवं केश सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। मुख्य अतिथि तुलाराम आर्य कन्या उ.मा. विद्यालय दुर्ग की प्राचार्य श्रीमती नीना शिवहरे, झरना गुप्ता तथा स्वाति देशपाण्डे थी, जिन्होंने प्रतिभागियों में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान का चयन किया। 18 जनवरी को वार्षिक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि श्रीमती कल्पना स्वामी (सहायक संचालक, दुर्ग संभाग), आरती शुक्ला (पी.टी.आई) महात्मा गांधी स्कूल दुर्ग, मनोरमा पाण्डे (पी.टी.आई.) तुलाराम सिंह आर्य कन्या उ.मा. विद्यालय दुर्ग रही। 19 जनवरी को आनंद मेला का शुभारंभ किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि गजेन्द्र यादव (विधायक दुर्ग), श्रीमती कल्पना स्वामी (सहायक संचालक, दुर्ग संभाग), अधिवक्ता डॉ. नागेन्द्र शर्मा, आर्य समाज से आचार्य जगबंधु, दयानंद शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र सिंह गुप्ता, स्मृति रानी गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता, सदस्य शिवेन्द्र परिहार, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उपप्राचार्य नीतू सिंह, तुलाराम आर्य कन्या उ.मा. विद्यालय की प्राचार्य नीना शिवहरे, धर्मपाल सिंह आर्य पब्लिक स्कूल की प्राचार्य अलमास खान, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय से अतिथिगण डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, डॉ. प्रीता लाल, डॉ. दिग्विजय, डॉ. दिनेश रहे।

मुख्य अतिथियों का स्वागत तिलक एवं पौधों से किया गया। आनंद मेला में महाविद्यालय के छात्राओं द्वारा बने भारतीय पारम्परिक व्यंजनों व अन्य व्यंजनों के साथ-साथ कलात्मक वस्तुओं का भी क्रय-विक्रय किया गया, जिससे वे व्यावसायिकता की ओर प्रोत्साहित हो। आनंद मेला में महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और छात्राओं व उनके परिवार तथा महाविद्यालय के समस्त स्टाफ ने आनंद मेला का आनंद उठाया। अंत में चयनित प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरित किया गया। वार्षिक कार्यक्रम की प्रभारी श्रीमती नीतू सिंह, आस्था सिजारिया, सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रभारी प्रीतिका ताम्रकार एवं नीलमणि त्रिपाठी थी। कार्यक्रम में सभी संकाय की विभागाध्यक्ष, समस्त सहायक प्राध्यापिकाएं, कर्मचारीगण एव समस्त संकाय की छात्राएं उपस्थित रही। मंच संचालन सहायक प्राध्यापिका जूली सोनछात्रा द्वारा किया गया। अंत में प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा द्वारा समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

दैनिक भास्कर - २२/१/२५

प्रतियोगिताओं से विद्यार्थियों का विकास होता है: शिवहरे

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय दुर्ग में वार्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस दौरान मेहंदी प्रतियोगिता, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट और केश सज्जा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्राचार्य नीना शिवहरे और अतिथियों ने प्रतिभागियों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान का चयन कर उन्हें सम्मानित कर पुरस्कार दिया। शिवहरे ने कहा कि मेहंदी प्रतियोगिता और केश सज्जा जैसी प्रतियोगिताओं में छात्रों ने अच्छा प्रदर्शन किया। इस प्रकार के प्रतियोगिताओं से छात्रों में एक उत्साह रहता है और उनके व्यक्तित्व का विकास होता है। आगे भी हमारा प्रयास रहेगा की ऐसी प्रतियोगिताएं होती रहे। इस अवसर पर विधायक गजेंद्र यादव, कल्पना स्वामी, आरती शुक्ला, मनोरमा पाण्डे, अधिवक्ता डॉ. नागेन्द्र शर्मा, डॉ. राघवेन्द्र सिंह गुप्ता, स्मृति रानी गुप्ता, दिग्विजय गुप्ता आदि उपस्थित थे।

दैनिक भास्कर

बीएड छात्राओं ने मूकबधिर बच्चों को बांटे सामान

दुर्ग | घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय, दुर्ग के बीएड विभाग की छात्राओं को सामाजिक शैक्षणिक क्रियाकलाप के अंतर्गत ब्राइट मंदबुद्धि एवं मुकबधिर विद्यालय प्रशामक देख-रेख गृह कादंबरी नगर ले जाया गया। इस दौरान छात्राओं ने विशिष्ट बालक-बालिकाओं को उपहार में स्टेशनरी के सामान, वस्त्र, खेल सामग्री बांटी। उन्हें भोजन भी कराया। इसके अलावा विभिन्न खेलों का आयोजन कर विजेता बच्चों को पुरस्कृत भी किया। कॉलेज की उप प्राचार्य नीतू सिंह, बीएड की विभागाध्यक्ष आस्था सिजारिया, प्रीतिका ताम्रकार मौजूद थे।

6/2/2024 हरिभूमि 7/2/2024

छात्राओं को सामाजिक गतिविधियों से परिचित कराने मंदबुद्धि एवं मूक बधिर विद्यालय का कराया भ्रमण

भिलाई। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय, दुर्ग के बी एड. विभाग की समस्त छात्राओं को एक दिवसीय सामाजिक शैक्षणिक क्रियाकलाप के अंतर्गत ब्राइट मंदबुद्धि एवं मूक बधिर विद्यालय और प्रशामक देख-रेख गृह कादंबरी नगर, दुर्ग में दयानंद शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र सिंह गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष आभा रानी गुप्ता एवं प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा के मार्गदर्शन में संचालित किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य छात्राओं को सामाजिक गतिविधियों से परिचित कराना था। छात्राओं ने विशिष्ट बालक बालिकाओं को उपहार स्वरूप स्टेशनरी सामान, वस्त्र, खेल सामग्री एवं अपने हाथों से बनाया हुआ भोजन उन्हें भेंट स्वरूप दिया। साथ ही उन्हें विभिन्न प्रकार के खेल संबंधी गतिविधियां कराई गई और पुरस्कार दिया गया। प्रशामक देख-रेख गृह में वृद्धजन महिलाओं को उपहार स्वरूप वस्त्र, फल, भोजन एवं मिष्ठान का वितरण किया गया। इस सामाजिक शैक्षणिक क्रियाकलाप में महाविद्यालय की उप प्राचार्य नीतू सिंह, बी.एड. विभाग की विभागाध्यक्ष आस्था सिजारिया, सहायक प्राध्यापक प्रीतिका ताम्रकार उपस्थित रही।

एक दिवसीय सामाजिक शैक्षणिक गतिविधि

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या कॉलेज के बीएड विभाग की छात्राओं को एक दिवसीय सामाजिक शैक्षणिक क्रियाकलाप के अंतर्गत ब्राइट मंदबुद्धि एवं मूक बधिर विद्यालय' और 'प्रशामक देख-रेख गृह' कादंबरी नगर में दयानंद शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र सिं गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विज सिंह गुप्ता, आभा रानी गुप्ता प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा के मार्गदश में संचालित किया गया। मुख्य उद्दे छात्राओं को सामाजिक गतिविधि से परिचित कराना था। छात्राओं विशिष्ट बालक बालिकाओं उपहार स्वरूप स्टेशनरी सा वस्त्र, खेल सामग्री एवं हाथ बनाया हुआ भोजन उन्हें भेंट स दिया। साथ ही उन छात्र छात्राओं को विभिन्न प्रकार के संबंधी गतिविधियां कराई ग पुरस्कार दिया गया।

नवभारत 23/2/2024

भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर नेशनल सेमिनार 28 से

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में 28 एवं 29 फरवरी को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें आमंत्रित वक्ता डॉ. पवन विजय दिल्ली, डॉ. लक्ष्मी नारायण पयोधि भोपाल, डॉ. महेंद्र मिश्र उड़ीसा, डॉ. चितरंजन कर, डॉ. राजन यादव इंदिरा कला इंदिरा कला एवं संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ एवं बलदाऊ राम साहू, डॉ. आर पी अग्रवाल, डॉ. संजीव कर्मकार दुर्ग हैं। इस कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि हेमचंद यूनिवर्सिटी कि कुलपति डॉ. अरुण पलटा एवं विशेष अतिथि डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव होंगे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि दुर्ग लोकसभा के सांसद विजय बघेल रहेंगे। अध्यक्षता दयानंद शिक्षा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता करेंगे। इस संगोष्ठी में छत्तीसगढ़ के साथ-साथ अन्य राज्यों के भी प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

दैनिक भास्कर 1/3/24

भाषा ज्ञान का अथाह सागर है, जिसकी गहराई नापी नहीं जा सकती: डॉ. चितरंजन

घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

सिटी रिपोर्टर | दुर्ग

घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शीर्षक भारतीय ज्ञान परंपरा रहा। भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध संस्कृति है। हमारी यह संगोष्ठी भारत की महत्वपूर्ण परम्परा को बढ़ावा देने और इसे समृद्ध करने का उद्देश्य रखती है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डीयू की कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव, दयानंद शिक्षा समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता प्रमुख

अतिथियों का सम्मान किया गया।

रूप से मौजूद थे। अतिथियों ने बताया कि भारतीय ज्ञान परम्परा का आरंभ सप्त सिंधवा प्रदेश में हुआ। वक्ता डॉ. चितरंजन कर ने भाषा को ज्ञान का अथाह सागर बताया, जिसकी गहराई नापी नहीं जा सकती। धर्म ग्रन्थ के विषय में उन्होंने कहा कि गीता में तीनों युगों का सार समाहित है। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि व्यक्ति साधना से बड़ा होता है, साधन से नहीं। भारतीय ज्ञान परम्परा निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। वक्ता डॉ. महेन्द्र मिश्र ने बच्चों की भाषा और विद्यालय की भाषा में भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा का इतिहास और महत्व एवं वेद, उपनिषद और पुराणों का विस्तार से जानकारी दी। डॉ. संजीव कर्मकार ने वैज्ञानिक धारणाएं और अनुसंधान गणित, ज्योतिष और आयुर्वेद के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर डॉ. राघवेन्द्र गुप्ता, आभारानी गुप्ता, प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, नीतू सिंह, संयोजक डॉ. हितेश्वरी मौजूद थे।

हरिभूमि 1/3/25

प्रथम दिवस राष्ट्रीय संगोष्ठी भारतीय ज्ञान परंपरा इंडियन नॉलेज सिस्टम

व्यक्ति साधना से बड़ा होता है साधन से नहीं भारतीय ज्ञान परंपरा पर दिया व्याख्यान

कार्नर न्यूज

भिलाई। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय से संबद्धता हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग में भारतीय ज्ञान परम्परा विषय पर 28 एवं 29 फरवरी को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ सरस्वती वंदन ं पूजन से किया गया। राष्ट्रीय ठी का शीर्षक भारतीय ज्ञान रा है। भारतीय संस्कृति विश्व बसे प्राचीन और समृध्द स्कृति है। हमारी यह संगोष्ठी भारत की महत्वपूर्ण परम्परा को बढ़ावा देने और इसे समृध्द करने का उदेश्य रखती है। इस कार्यक्रम में प्रथम दिवस के मुख्य अतिथि डॉ. अरुणा पल्टा कुलपति हेमचंद यादव विश्व विद्यालय दुर्ग, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव छात्र कल्याण अधिष्ठाता, हेमचंद यादव विश्व विद्यालय दुर्ग राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता के रुप में दिग्विजय सिंह गुप्ता, दयानंद शिक्षा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष थे। संगोष्ठी के संरक्षक दयानंद शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राघवेन्द्र सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष आभारानी गुप्ता, घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ मृदुला वर्मा, उप प्राचार्य नीतू सिंह तथा संयोजक डॉ हितेश्वरी रावते एवं निशा साहू थी। राष्ट्रीय संगोष्ठी का स्वागत भाषण डॉ मृदुला वर्मा ने किया। भारतीय ज्ञान परम्परा का आरंभ सप्तसिंधवा प्रदेश में हुआ।

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन

कार्यक्रम में महाविद्यालय की समस्त विभाग की विभागाध्यक्ष एवं सहायक प्राध्यापक तथा कार्यालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहे। राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन के अवसर पर उप प्राचार्य नीतू सिंह आमंत्रित सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं शोधार्थीयों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

गीता में तीनों युगों का सार है समाहित

राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम दिवस में आमंत्रित वक्ता डॉ चितरंजन कर, भाषाविद एवं शिक्षाविद पूर्व प्राध्यापक पं रवि वि वि रायपुर थे। इन्होंने अपने वक्तव्य में भाषा को ज्ञान का अथाह सागर बताया। जिसकी गहराई नापी नहीं जा सकती। धर्म ग्रंथ के विषय में उन्होंने कहा कि गीता में तीनों युगों का सार समाहित है। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि व्यक्ति साधना से बड़ा होता है, साधन से नहीं। भारतीय ज्ञान परम्परा निरंतर चलने वाली प्रक्रिया हैं। डॉ महेन्द्र मिश्र (शिक्षा विभाग) उड़ीसा ने अपने वक्तव्य में बच्चों की भाषा और विद्यालय की भाषा में भारतीय ज्ञान परम्परा पर प्रकाश डालते हुए सभी भाषाओं पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बच्चों के बौध्दिक विकास के बारे में बताया। भारतीय ज्ञान परम्परा का इतिहास और महत्व एवं वेद, उपनिषद और पुराणों का विस्तार से वर्णन किया। डॉ. संजीव कर्मकार प्राध्यापक, बी आई टी इंजीनियरिंग कॉलेज, दुर्ग ने अपने व्यक्तव्य में वैज्ञानिक धारणाएँ और अनुसंधान गणित ज्योतिष और आयुर्वेद के बारे में विस्तार से बताया। दूर दराज से आये शोधार्थियों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया एवं विषय विशेषज्ञों के द्वारा उनका मार्गदर्शन किया गया। प्रथम दिवस के सत्र के अंत में डॉ. चितरंजन कर के द्वारा शोध पत्र कीसमीक्षा की गई।

पत्रिका 2/3/24

गौभक्तों ने दी विदाई

गौसेवकों ने पहले शहर का पैदल भ्रमण किया

गौवंश के संरक्षण के लिए राष्ट्रपति भवन तक पदयात्रा

पत्रिका सिटी रिपोर्टर
patrika.com

दुर्ग. गौवंशों के संरक्षण और कल्याण के उद्देश्य को लेकर गौसेवक आकाश मजूमदार व लेखराम यादव शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन दिल्ली तक के पदयात्रा पर निकले। उन्होंने अपनी पदयात्रा की शुरूआात सिकोला भाठा रैक प्वांइट स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना कर की। इसके बाद पदयात्रा करते हुए शहर का भ्रमण किया। इस दौरान प्रमुख मार्गो व चौक-चौराहों पर विभिन्न राजनीतिक दलो के जनप्रतिनिधियों और सामाजिक व धार्मिक संगठनों द्वारा गौसेवकों का स्वागत किया।

राष्ट्रपति भवन तक के पदयात्रा पर निकले गौसेवक आकाश मजूमदार ने बताया कि गौवंश को उचित व्यवस्था देने गौसेवक हरसंभव प्रयास कर रहे है, लेकिन छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों में अभी भी गौवंश की स्थिति दयनीय है। गौवंश लावारिस हालत में विचरण कर रहे हैं। दुर्घटना में मौत का शिकार भी हो रहे है। गौशालाओं में गौवंश की ठीक से देखभाल नहीं किया जा रहा है। गौ तस्करी की घटनाओं में लगातार इजाफा हो रहा हैं। गौवंश कत्लखाना भेजे जा रहे हैं। ऐसे कई गंभीर कारण हैं। जिसकी वजह से गौमाता कहे जाने वाले देश में गौवंश की स्थिति ठीक नहीं है। इन सारे मुद्दों के अलावा गौवंश के संरक्षण व कल्याण के उद्देश्यों को लेकर राष्ट्रपति भवन दिल्ली तक यह पदयात्रा की जा रही है। उन्होंने बताया कि लगभग 14 सौ किलोमीटर की यह पदयात्रा वे 30 से 35 दिनों में पूर्ण कर लेंगे। प्रतिदिन 40 किलोमीटर पदयात्रा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। पदयात्रा में सुसज्जित गौरथ गौसेवकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बन रहा है। सहयोगी के तौर पर सूरजचंद विश्वास, संगीत कुमार साहू व अन्य 8-10 गौसेवकों की टीम पदयात्रा में शामिल हैं।

निगम सभापति ने किया स्वागत

गौसेवक आकाश मजूमदार व लेखराम यादव के शहर भ्रमण के दौरान कंकालिन मंदिर चौक पर नगर निगम के सभापति राजेश यादव ने पार्षदों के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान समाजसेवी दिग्विजय सिंह, शिशिरकांत कसार, अभिषेक प्रजापति, देवव्रत सिंह, अमित सरकार, नितेश जैन, राहुल बाबा, सूरज विस्वास के अलावा बड़ी संख्या में गौसेवक मौजूद रहे।

मजूमदार ने बताया कि गौवंश को

लोकअस्मिता - २/३/२५

गौवंश के संरक्षण को लेकर दुर्ग से दिल्ली तक पदयात्रा पर निकले 2 गौसेवक

गौसेवकों का रास्तेभर स्वागत कर लोगों ने की उद्देश्यों में सफल होने की कामना

दुर्ग। गौवंश के संरक्षण और कल्याण के उद्देश्यों को लेकर गौसेवक आकाश मजूमदार व लेखराम यादव शुक्रवार को राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली तक के पदयात्रा पर निकले। उन्होंने अपनी पदयात्रा की शुरूआत सिकोलाभाठा रैक प्वांइट स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर में पूजा अर्चना कर की। तत्पश्चात् पदयात्रा करते हुए उन्होंने पूरे शहर का भ्रमण किया। इस दौरान प्रमुख मार्गों व चौक-चौराहों पर विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों और सामाजिक व धार्मिक संगठनों द्वारा गौसेवकों का स्वागत कर उन्हें अपने उद्देश्यों में सफल होने की शुभाकमनाएं दी गई। गौसेवक आकाश मजूमदार व लेखराम यादव के शहर भ्रमण के दौरान कंकालिन मंदिर चौक पर नगर निगम के सभापति राजेश यादव ने पार्षदों के साथ उनका स्वागत किया। इस दौरान समाजसेवी दिग्विजय सिंह, शिशिरकांत कसार, अभिषेक प्रजापति, देवव्रत सिंह, अमित सरकार, नितेश जैन, राहुल बाबा, सूरज विश्वास के अलावा सैकड़ों की संख्या में गौसेवक मौजूद रहे। नई दिल्ली राष्ट्रपति भवन तक के पदयात्रा पर निकले गौसेवक आकाश मजूमदार ने बताया कि गौवंश को उचित व्यवस्था देने गौसेवक हरसंभव प्रयास कर रहे है, लेकिन छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों में अभी भी गौवंश की स्थिति दयनीय है। उन्होंने बताया कि लगभग 14 सौ किलोमीटर की यह पदयात्रा वे 30 से 35 दिनों में पूर्ण कर लेंगे। प्रतिदिन 40 किलोमीटर पदयात्रा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। पदयात्रा में सुसज्जित गौरथ गौसेवकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बन रहा है। सहयोगी के तौर पर सुरजचंद विश्वास, संगीत कुमार साहू व अन्य 8-10 गौसेवकों की टीम पदयात्रा में शामिल हैं। श्री मजूमदार ने बताया कि पदयात्रा के राजनीतिकरण होने से बचने उन्होंने प्रदेश युवा कांग्रेस के निर्वाचित सचिव पद से इस्तीफा देकर पदयात्रा शुरू की है।

नवभारत 3/3/2024

व्यक्ति साधना से बड़ा होता है, साधन से नहीं- डॉ.

घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी

। घनश्याम सिंह आर्य कन्या विद्यालय में भारतीय ज्ञान परम्परा य पर 28 एवं 29 फरवरी को दो सीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ वती वंदन एवं पूजन से किया गया। क्रम में प्रथम दिवस के मुख्य अतिथि अरुणा पल्टा, कुलपति हेमचंद यादव वविद्यालय, डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव छात्र याण अधिष्ठाता, हेमचंद यादव विश्व ालय राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता के में दिग्विजय सिंह गुप्ता, दयानंद शिक्षा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष थे। संगोष्ठी के संरक्षक दयानंद शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ: राघवेन्द्र सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष आभारानी गुप्ता, घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उप प्राचार्य नीतू सिंह तथा संयोजक डॉ. हितेश्वरी रावते एवं निशा साहू है। राष्ट्रीय संगोष्ठी का स्वागत भाषण डॉ. मृदुला वर्मा ने किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी के प्रथम दिवस में आमंत्रित वक्ता डॉ. चितरंजन कर, भाषाविद् एवं शिक्षाविद् पूर्व प्राध्यापक पं. रवि. वि. वि. रायपुर थे। डॉ. महेन्द्र मिश्र शिक्षाविद् (शिक्षा विभाग) उड़ीसा, इन्होंने अपने वक्तव्य में बच्चों की भाषा और विद्यालय की भाषा में भारतीय ज्ञान परम्परा पर प्रकाश डालते हुए सभी भाषाओं पर अपने विचार व्यक्त करते हुए बच्चों के बौध्दिक विकास के बारे में बताया। डॉ. संजीव कर्मकार प्राध्यापक, बीआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज ने वैज्ञानिक धारणाएं और अनुसंधान गणित ज्योतिष और आयुर्वेद के बारे में विस्तार से बताया।

वक्ताओं ने भारतीय ज्ञान पर

घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में राष्ट्री
अतिथि के रुप में दयानंद शिक्षा समिति के अध्य
कार्य अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष श्रीम
आर्य कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. (श्रीमत
सिंह तथा संयोजक डॉ. हितेश्वरी रावते एवं श्रीम
संगोष्ठी का स्वागत भाषण उप प्राचार्य श्रीमती नीत
रुप में डॉ. लक्ष्मी नारायण पयोधि, जनजातीय वि
शासन भोपाल, इन्होंने अपने वक्तव्य में जनजाती
व्यक्त करते हुए बताया कि भारतीय ज्ञान परम्परा
समेटना असंभव है। भारतीय ज्ञान परम्परा में जन
है। बलदाऊ राम साहू, शिक्षाविद् एवं साहित्यकार
ज्ञान परम्परा में ज्ञान का समावेश है। आध्यात्मिक
गीता, भारतीय साहित्य और शिक्षा दर्शन के अद्विती
मुख्य उद्देश्य समाज में सक्षम योग्य शिक्षा प्रदान
विकास करना है। डॉ. आरपी अग्रवाल, प्राचार्य क
ने अपने वक्तव्य में बताया कि भारतीय ज्ञान परम्प
के बारे में बताते हुए कहा कि प्रबंधन रामचरित मा
विनय शर्मा ने गुरु और शिष्य के महत्व पर प्रकाश
सत्र के मुख्य अतिथि के रुप में डॉ. पवन विजय,
सिंह विश्वविद्यालय इन्द्रप्रस्थ, दिल्ली ने बताया कि
बहुत महत्वपूर्ण था। वेदों में गणित, ज्योतिष और अ
जितनी भी भी टेक्नोलॉजी का विकास हुआ है, वह

महा पुरस

छात्र-छात्राअ

दव विद्याल
यता।

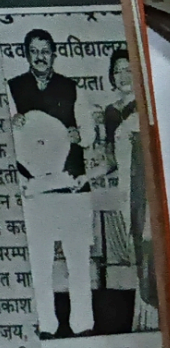

हुए कहा कि ज
पढ़ते थे तो वा
हिस्सा लिया कर

दैनिक भास्कर 4/3/24

राष्ट्रीय संगोष्ठी • भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर घनश्याम कॉलेज में दो दिवसीय कार्यक्रम का समापन

भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे समृद्ध संस्कृति, इसे हम सभी को सहेजना होगा और अनुसरण करना होगा : डॉ. श्रीवास्तव

सिटी रिपोर्टर| दुर्ग

घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि हेमचंद विवि की कुलपति डॉ. अरुणा पल्टा थी। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर पूरे दुर्ग विश्वविद्यालय में यह प्रथम संगोष्ठी है। निश्चित ही यह मिल का पत्थर साबित होगी।

विशेष अतिथि छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे समृद्ध संस्कृति है। कार्यक्रम की अध्यक्षता दयानंद शिक्षण समिति के कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता ने की। संगोष्ठी के प्रथम सत्र की शुरुआत प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा ने स्वागत भाषण देकर किया। वक्ता शिक्षाविद डॉ. चितंजनकर, ओडिशा से आए डॉ. महेंद्र मिश्र ने अपने विचार रखे। बीआईटी कॉलेज के प्रो. डॉ. संजीव कर्मकार ने भारतीय ज्ञान परंपरा में तकनीकी एवं प्रौधोगिकी विषय पर वैज्ञानिक धारणाएं, अनुसंधान , गणित, ज्योतिष और आयुर्वेद के बारे में बताया। शिक्षाविद एवं साहित्यकार बलदाऊ राम साहू ने छत्तीसगढ़ के पर्व और परंपराओं में जल तत्व की महिमा को बताया। संगोष्ठी के पहले दिन 20 शोधार्थियों ने अपना शोध पत्र पढ़ा।

भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर घनश्याम कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन।

भारतीय ज्ञान परंपरा पर हमें गर्व नई पीढ़ी को इसे समझना होगा

समापन सत्र के मुख्य अतिथि दयानंद शिक्षण समिति के अध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र सिंह गुप्ता ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा पर हमें गर्व है। नई पीढ़ी को इसे जानना बहुत आवश्यक है। उपाध्यक्ष आभा रानी गुप्ता ने कहा कि आज के आधुनिकता के दौर में भारतीय ज्ञान परंपरा पर आधारित संगोष्ठी नई पीढ़ी को नई दिशा देगी। कार्यक्रम का संचालन कर रही निशा साहू ने किया। कार्यक्रम में डॉ. हितेश्वरी रावते, शिव बालक दास साहू, डॉ. विनय शर्मा, अतुल नागले, उदय भान सिंह चौहान, देवी प्रसाद तिवारी, संजय मिश्रा, विभा शर्मा सहित अन्य मौजूद थे।

हरिभूमि 4/3/2024

भारतीय ज्ञान परम्परा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का दूसरा दिन

भारतीय ज्ञान परंपरा अपने आप में वृहद जिसे समेटना असंभवः डॉ. लक्ष्मी नारायण

कार्नर न्यूज

भिलाई। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय दुर्ग में राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय दिवस में मुख्य अतिथि दयानंद शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ राघवेन्द्र सिंह गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष आभारानी गुप्ता, घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उप प्राचार्य नीतू सिंह तथा संयोजक डॉ हितेश्वरी रावते एवं निशा साहू उपस्थित रहे। राष्ट्रीय संगोष्ठी का स्वागत भाषण उप प्राचार्य नीतू सिंह ने किया।

अखंड भारत की बुनियाद रखने में जनजातियों का विशेष योगदान

आमंत्रित वक्ता के रुप में डॉ लक्ष्मी नारायण पयोधि, जनजातीय विभाग में विशेषज्ञ एवं सलाहकार म.प्र. शासन भोपाल थे। उन्होंने अपने वक्तव्य में जनजातीय ज्ञान व जीवन दर्शन पर विचार व्यक्त करते हुए बताया कि भारतीय ज्ञान परम्परा अपने आप में ही बहुत वृहद हैं, जिसे समेटना असंभव है। भारतीय ज्ञान परम्परा में जनजातियों कि भूमिका विशेष महत्त्वपूर्ण है। अखंड भारत की बुनियाद रखने में जनजातियों का विशेष योगदान रहा है। बलदाउ राम साहू, शिक्षाविद एवं साहित्यकार इन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि भारतीय ज्ञान परम्परा में ज्ञान का समावेश है। आध्यात्मिक और नैतिक शिक्षाओं के साथ साथ गीता, भारतीय साहित्य और शिक्षा दर्शन के अद्वितीय कोनो में से एक है। शिक्षा का मुख्य उद्देश्य समाज में सक्षम योग्य शिक्षा प्रदान करना तथा निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना है। कल्याण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आरपी अग्रवाल ने अपने वक्तव्य में भारतीय ज्ञान, परम्परा एवं प्रबंधन के सर्वांगीण विकास के बारे में बताते हुए कहा कि प्रबंधन रामचरित मानस व वेद ग्रंथो में समाहित है। प्रबंधन के लिए धैर्य व एक कुशल नेतृत्त्व का होना आवश्यक बताया। डॉ विनय शर्मा ने गुरु और शिष्य के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

भारत में विज्ञान का विकास महत्त्वपू

राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि डॉ विजय, समाजशास्त्री प्राध्यापक गुरु गोविंद विश्वविद्यालय इन्द्रप्रस्थ, दिल्ली थे। उन्होंने अपने वक्तव्य में बताया कि प्राचीन भारत में विज्ञान का विकास महत्त्वपूर्ण था। वेदों में गणित, ज्योतिष और अन्य विधा के अनेक उल्लेख है, जितनी भी भी टेक्नोलॉजी का विकास हुआ है, वह सब भारत की ही देन हैं। इसका एक साक्ष उदाहरण अयोध्या का राम मंदिर है। भारतीय शिल्पकारों के द्वारा ऐसा निर्माण किया गया, कि गर्भगृह में स्थापित रामलला की मूर्ति के मस्तिष्क पर हर राम नवमी को सुबह सूर्य की किरणों द्वारा तिलक किया जायगा। विभिन्न शोधार्थियों एवं प्राध्यापकों द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किया गया तथा डॉ. लक्ष्मी नारायण पयोधि द्वारा समीक्षा की गई। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की समस्त विभाग की विभागाध्यक्ष एवं सहायक प्राध्यापक तथा कार्यालयीन कर्मचारीगण उपस्थित रहे। राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा ने आमंत्रित सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं शोधार्थीयों को धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन निशा साहू द्वारा किया गया। द्वितीय दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की समाप्ति की घोषणा की गई इस आयोजन में नीलमणी त्रिपाठी, किरण वैष्णव, संगी वर्मा एवं प्रीतिका ताम्रकार का विशेष सहयोग र

पत्रिका — 3/3/2014

भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर राष्ट्रीय संगो

भारतीय ज्ञान परंपरा ज्ञान का अथाह सागर, ग

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भिलाई. घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय दुर्ग में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि हेमचंद विश्वविद्यालय दुर्ग की कुलपति डॉ.अरुणा पल्टा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर पूरे दुर्ग विश्वविद्यालय में यह प्रथम संगोष्ठी है,और निश्चित यह मिल का पत्थर साबित होगी। विशेष अतिथि दुर्ग विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव ने कहा

कि भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे समृद्ध संस्कृति है। कार्यक्रम की अध्यक्षता दयानंद शिक्षण समिति के कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता ने किया।

संगोष्ठी के प्रथम सत्र का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ मृदुला वर्मा द्वारा स्वागत भाषण देकर किया गया। प्रथम वक्ता डॉ.चितरंजन कर भाषाविद एवं शिक्षाविद, रायपुर ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा ज्ञान का अथाह सागर है जिसकी गहराई मापी नहीं जा सकती। उड़ीसा से पधारे डॉ महेंद्र मिश्र ने भारतीय ज्ञान परंपरा में बच्चों की

भाषा और विद्यालय की भाष
पर प्रकाश डाला। बीआईटी
दुर्ग के प्रोफेसर डॉ संजीव क
भारतीय ज्ञान परंपरा में तकन
प्रौद्योगिकी विषय पर वैज्ञानिक
,अनुसंधान ,गणित, ज्योति
आयुर्वेद के बारे में बताया।
एवं साहित्यकार बलदाऊ रा
छत्तीसगढ़ के पर्व और परं
जल तत्व की महिमा को बताय
के प्रथम दिवस में भारतीय ज्ञ
के अंतर्गत विविध विषयों प
20 शोधार्थियों ने अपना शोध
अंत में समस्त शोध पत्र व
डॉ.चितरंजन कर के द्वारा
कार्यक्रम का संचालन हिंदी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भिलाई. नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा सुपेला घड़ी चौक से गदा चौक तक लगने वाले सण्डे मार्केट को व्यवस्थित करने एवं यातायात को सुगम बनाने के लिए मार्केट क्षेत्र में लगातार मुनादी करवा रहा है। दुकानदारों को समझाईस भी दी जा रही है।

निगम के जोन कार्यालय नेहरू नगर एवं वैशालीनगर की टीम ने शनिवार को मार्केट क्षेत्र में सड़क के दोनो किनारे फिर चूना मार्किंग कर व्यापारियों को समझाई दी कि लाईनिंग के बाहर कोई भी दुकानदार अपने विक्रय वस्तु को प्रदर्शन के लिए न लगाएं। अपने सामानो को निगम द्वारा आबंटित दुकान के क्षेत्र में रखें। इसी प्रकार सड़क पर लगने वाले

नवभारत - 17/3/2025

शिक्षा के साथ ही स्वरोजगार के साधन पर दिया जोर

घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में शामिल हुए डॉ. प्रवीण तोगड़िया

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में 16 मार्च को महाविद्यालय के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक डॉ. प्रवीण तोगड़िया एवं प्रदीप गौर (केन्द्रीय मंत्री) अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अध्यक्षता के रूप में दयानंद शिक्षा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता, डॉ. नागेंद्र शर्मा एडवोकेट दयानंद शिक्षा समिति सदस्य, समस्त महाविद्यालयीन परिवार, समस्त संकाय की विभागाध्यक्ष, सहायक प्राध्यापक, कर्मचारी गण तथा समस्त छात्राएं उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत पौधा, गीफल व शॉल द्वारा किया गया। छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने अपने वक्तव्य में समाज एवं भिन्न संगठन स्थापित करने एवं विश्व भर में इनके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम, सेमिनार आयोजित करने पर जोर दिया। जो हिन्दू समुदाय के मुद्दों और महत्वपूर्ण विषयों पर समय-समय पर जागरुकता फैलाने के कार्य को प्रोत्साहित किया। इसके साथ ही यह संगठन धार्मिक और सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देता रहा है। हिन्दू संगठन द्वारा देश के किसी भी कोने से हिन्दू हेल्पलाइन की मदद से सहायता प्राप्त कर सकता है। इन्होंने स्वस्थ्य रहने के लिए लोहे के बर्तन व गुड़ का उपयोग करने को कहा। शिक्षा के साथ ही स्वरोजगार के साधन पर जोर दिया। इस मिशन को राष्ट्रीय छात्र परिषद के नाम से जाना गया तथा इनका पूरा जीवन हिन्दु धर्म और संस्कृति के प्रति समर्पित रहा। कार्यकम का मंच संचालन डॉ. निशा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। दयानंद शिक्षा समिति की ओर से अतिथियों के लिए सात्विक भोजन की व्यवस्था की गई। आभार प्रदर्शन निशा साहू ने किया।

दैनिक भास्कर (8/3/2024)

आर्य कन्या महाविद्यालय में डॉ. प्रवीण तोगड़िया व प्रदीप गौर का हुआ सम्मान

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय, दुर्ग के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक डॉ. प्रवीण तोगड़िया और प्रदीप गौर का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्षता दयानंद शिक्षा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष आभारानी गुप्ता, डॉ. नागेंद्र शर्मा ने की। अतिथियों का स्वागत पौधा, श्रीफल व शॉल देकर किया गया। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। डॉ. तोगड़िया ने समाज एवं विभिन्न संगठन स्थापित करने और विश्वभर में इनके द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम, सेमीनार आयोजित करने पर जोर दिया। बताया कि हिंदू संगठन द्वारा देश के किसी भी कोने से हिंदू हेल्पलाइन से सहायता प्राप्त की जा सकती है। संचालन डॉ. निशा श्रीवास्तव ने किया।

घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में डॉ. प्रवीण तोगड़िया ने की शिरकत

राजधानी रिपोर्टर

दुर्ग! घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के संस्थापक डॉ प्रवीण तोगड़िया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेद्य कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं पूजन से किया गया द्य कार्यक्रम के अध्यक्षता के रूप में दयानंद शिक्षा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुसा, उपाध्यक्ष आभारानी गुसा एवं समस्त महाविद्यालयीन परिवार, समस्त संकाय के विभाग अध्यक्ष, सहायक प्राध्यापक,कर्मचारी गण वह समस्त छात्राएं उपस्थित रहे द्य अतिथियों का स्वागत पौधा श्रीफल व साॅल के द्वारा किया गया द्य

डॉ प्रवीण तोगड़िया ने अपने वक्तव्य में समाज एवं विभिन्न संगठन स्थापित करने एवं विश्व भर में इनके द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न कार्यक्रम एवं सेमिनार आयोजित पर जोर दिया द्य जो हिंदू समुदाय के मुद्दों एवं महत्वपूर्ण विषयों पर समय-समय पर जागरूकता फैलाने के कार्य को प्रोत्साहित कियाद्य संगठन धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देता रहा हैद्य हिंदू संगठन के द्वारा देश के किसी भी कोने से हिंदू हेल्पलाइन की मदद से सहायता प्राप्त कर सकता है द्य वही डॉक्टर प्रवीण तोगड़िया ने स्वस्थ रहने के लिए लोहे के बर्तन व गुड़ का उपयोग करने की बात कही द्य साथ ही शिक्षा के साथ स्वरोजगार के साधन पर भी जोर दिया, बता दे डॉ प्रवीण तोगड़िया का पूरा जीवन हिंदू धर्म एवं संस्कृति के प्रति समर्पित रहा, कार्यक्रम में मंच संचालन डॉ निशा श्रीवास्तव द्वारा किया गया द्य दयानंद शिक्षा समिति की ओर से अतिथियों के लिए सात्विक भोजन की भी व्यवस्था की गई थी।

नई-दुनिया-21/3/24

कन्या महाविद्यालय दुर्ग में 20 शोधार्थियों ने पढ़ा शोध पत्र

दुर्ग (वि.)। विगत दिनों घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय दुर्ग में भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि हेमचंद विश्वविद्यालय दुर्ग की कुलपति डा. अरुणा पल्टा ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा विषय पर पूरे दुर्ग विश्वविद्यालय में यह प्रथम संगोष्ठी है और निश्चित यह मिल का पत्थर साबित होगी। विशेष अतिथि दुर्ग विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण अधिष्ठाता डा. प्रशांत श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय संस्कृति विश्व की सबसे समृद्ध संस्कृति है। संगोष्ठी के प्रथम दिवस में भारतीय ज्ञान परंपरा के अंतर्गत विविध विषयों पर लगभग 20 शोधार्थियों ने अपना शोध पत्र पढ़ा। अंत में समस्त शोध पत्र की समीक्षा डा. चितरंजन कर ने की।

अध्यक्षता दयानंद शिक्षण समिति के कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता ने की। प्रथम सत्र का शुभारंभ प्राचार्य डा. मृदुला वर्मा ने किया। प्रथम वक्ता डा. चितरंजन कर भाषाविद व शिक्षाविद रायपुर ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा ज्ञान का अथाह सागर है, जिसकी गहराई मापी नहीं जा सकती। ओडिशा से आए डा. महेंद्र मिश्र ने अपने वक्तव्य में भारतीय ज्ञान परंपरा में बच्चों की भाषा और विद्यालय की भाषा विषय पर प्रकाश डाला। बीआइटी कालेज दुर्ग के प्रोफेसर डा. संजीव कर्मकार ने अपने वक्तव्य में भारतीय ज्ञान परंपरा में तकनीकी व प्रौद्योगिकी विषय पर वैज्ञानिक धारणाएं, अनुसंधान, गणित, ज्योतिष और आयुर्वेद के बारे में बताया। शिक्षाविद व साहित्यकार बलदाऊ राम साहू ने छत्तीसगढ़ के पर्व और परंपराओं में जल तत्व की महिमा को बताया। कार्यक्रम का संचालन हिंदी विभाग से निशा साहू ने किया। द्वितीय दिवस डा. लक्ष्मी नारायण पयोधि जनजाति विभाग के विशेषज्ञ व सलाहकार भोपाल ने भारतीय जनजाति ज्ञान परंपरा व जीवन दर्शन विषय पर प्रकाश डाला।

दैनिक जागरण 23/03/2024

कोटनी में बच्चों को शिक्षण सामग्री बांटी

भिलाई| प्रेम और सद्भाव के प्रतीक होली पर्व पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष आभा रानी गुप्ता ने ग्राम कोटनी के बच्चों से मुलाकात की। लगभग 225 ग्रामीण बच्चों को शिक्षण सामग्री, रंग, चाकलेट, बिस्किट, चिप्स आदि बांटे। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी निशा साहू, अंजू देवी, स्व सहायता समूह की महिलाएं उपस्थित रहीं।

नवभारत — २५/३/२०२५

ग्रामीण बच्चों को होली पर शिक्षण सामग्री व रंग का वितरण

दुर्ग। प्रेम और सदभाव का प्रतीक पावन पर्व होली के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय द्वारा ग्राम कोटनी के ग्रामीण बच्चों से मुलाकात कर लगभग 225 ग्रामीण बच्चों को शिक्षण सामग्री, रंग एवं चाकलेट, बिस्किट, चिप्स का वितरण किया गया। इस अवसर पर दयानंद शिक्षा समिति की उपाध्यक्ष आभा रानी गुप्ता एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी निशा साहू, अंजू देवी, स्व सहायता समूह की महिलाएं एवं ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

हरिभूमि 31/3/24

सद्भाव का प्रतीक पावन पर्व होली के अवसर पर
के तत्वावधान में घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय द्वारा ग्रा
बच्चों से मुलाकात कर लगभग 225 ग्रामीण बच्चों को शिक्षण स
चाकलेट, बिस्किट, चिप्स का वितरण किया गया। इस अवसर
की उपाध्यक्ष आभा रानी गुप्ता एवं राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम
अंजू देवी, स्व सहायता समूह की महिलाएं एवं ग्रामीणों की उ

ोग-युवा और आत्मनिर्भर भारत पर व्याख्यान

िभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

सिंह आर्य कन्या लय, आर्य नगर, दुर्ग के में योग-युवा और र्भर भारत पर व्याख्यान

ग से बचने योग एक हत्वपूर्ण साधन

किया गया। कार्यक्रम के तिथि पतंजलि योग पूज्य आचार्य स्वामी देव जी प्राचार्य स्वामी जी गुरूकुल ाय, हरिद्वार केन्द्रीय भारत और स्वामी नरेन्द्र निष्ठ सन्यासी पतंजलि द्वार, योग गुरू श्री श्याम वं अन्य सहकर्मीगण रहे। कार्यक्रम की रूप में दयानंद शिक्षा उपाध्यक्ष श्रीमती आभारानी गुप्ता, महाविद्यालय की उपप्राचार्य नीतू सिंह, महाविद्यालयीन परिवार समस्त संकाय की विभागाध्यक्ष, सहायक प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं छात्राएँ उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत पौधा, मोमेण्टो, श्रीफल व शाल देकर किया गया।

तत्पश्चात मुख्य अतिथि जी स्वामी आदित्य देव जी द्वारा अपने व्याख्यान में बताया गया कि स्वस्थ व्यक्ति ही समाज एवं राष्ट्र के निर्माण के लिए अपनी अहम भूमिका निभा सकता है इसलिए अपने शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए नित्य प्रतिदिन योग करना चाहिए।

रोग से बचने के लिए योग एक महत्वपूर्ण साधन है। विद्यार्थी जीवन के लिए उन्होंने 5 नियमों को ध्यान में रखकर पालन करने के लिए कहा। आचार्य नरेन्द्र देव द्वारा योग को वैज्ञानिक तरीकों से जोड़कर बताया गया तथा आचार्य आदित्य देव जी द्वारा छात्राओं एवं प्राध्यापकों से संकल्प कराया गया कि नित्य प्रातः उठकर योग करेंगे और अपना जीवन राष्ट्र और समाज के लिए योगदान करेंगे। योग एक प्राचीन भारतीय प्रणाली है जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देती है। योग के माध्यम से युवा अपने शक्तिशाली और सकारात्मक सोच को साकार कर सकते है। योग का अभ्यास करते रहने से स्वस्थ और संतुलित जीवन जीने की शिक्षा मिलती है इसके साथ ही योग उन्हें आत्मनिर्भरता की भावना और कौशल प्रदान करता है, जो उन्हें समस्या का सामना करने और समाधान निकालने में मदद करता है। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉ. निशा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। दयानंद शिक्षा समिति की ओर से अतिथियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। आभार प्रदर्शन उप प्राचार्य एवं डॉ. तृप्ति खनंग के द्वारा किया गया।

दैनिक भास्कर - 2/4/24

योग कर युवा अपनी शक्ति और स्वास्थ्य सुधारें: आचार्य

सिटी रिपोर्टर| दुर्ग

घनश्याम सिंह आर्य कन्या कॉलेज आर्य नगर दुर्ग में योग-युवा और आत्मनिर्भर भारत पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती वंदना एवं पूजन से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पतंजलि योग विशेषज्ञ पूज्य आचार्य स्वामी आदित्य देव और स्वामी नरेन्द्र देव योग निष्ठ सन्यासी मौजूद थे। स्वामी आदित्य देव ने बताया कि स्वस्थ व्यक्ति ही समाज एवं राष्ट्र के निर्माण के लिए अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। इसलिए अपने शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए नित्य प्रतिदिन योग करना चाहिए। रोग से बचने के लिए योग एक महत्वपूर्ण साधन है। विद्यार्थी जीवन के लिए उन्होंने 5 नियमों को ध्यान में रखकर पालन करने के लिए कहा। आचार्य नरेन्द्र देव द्वारा योग को वैज्ञानिक तरीकों से जोड़कर बताया तथा छात्राओं एवं प्राध्यापकों से संकल्प कराया कि नित्य प्रातः उठकर योग करेंगे और स्वस्थ रहेंगे।

14/4/2024 दैनिक भास्कर

आर्य समाज के पूर्व प्रधान ने पद पर रहते हुए वित्तीय अनियमितताएं की, कोर्ट के आदेश पर अपराध दर्ज

दुर्ग। मोहन नगर थाना पुलिस ने आर्य समाज के पूर्व प्रधान के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर अपराध दर्ज किया है। प्रकरण में पूर्व प्रधान अंशुदेव आर्य ने प्रधान रहते वित्तीय अनियमितताएं की थी। इस पर सोसायटी के पदाधिकारियों ने कोर्ट में परिवाद दायर किया था। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने धारा 403, 406, 418 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जनार्दन खरे की कोर्ट के आदेश पर पथलगांव जशपुर निवासी अंशुदेव आर्य के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। आरोपी अंशुदेव वर्ष 2013 से 2016, वर्ष 2016 से 2019 और वर्ष 2019 से 18 अप्रैल 2022 तक आर्य समाज संस्था के प्रधान रहे। इस दौरान संस्था की आम सभा की बैठक में वित्तीय अनियमितताएं सामने आई। इसकी वजह से उन्हें पद से हटा दिया गया। 24 जुलाई 2022 को नए प्रधान के रूप में राम कुमार को जिम्मेदारी सौंपी गई। लेकिन अंशुदेव ने सोसायटी की बैंक पासबुक समेत अन्य दस्तावेज नए प्रधान को नहीं सौंपे। पूर्व प्रधान के खिलाफ थाने में शिकायत की गई। लेकिन पुलिस ने सुनवाई नहीं की तो कोर्ट में परिवाद दायर किया। अब कोर्ट के आदेश पर केस दर्ज हुआ है।

आर्य कन्या कॉलेज में बच्चों के लिए कैंप आज

दुर्ग घनश्याम सिंह आर्य कन्या कॉलेज दुर्ग में डीपीएस आर्य पब्लिक स्कूल के द्वारा 3 मई से 13 मई तक दस दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस समर कैंप में वॉटर पूल फन, संस्कृत श्लोक, जुंबा, डांस, आर्ट एवं क्राफ्ट, ड्राइंग, कर्सिव राइटिंग सिखाया जाएगा। शिक्षकों ने बताया कि बच्चों में कला का विकास होगा।

गायत्री मंत्र के उच्चारण पश्चात किया योगाभ्यास

घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय परिसर में ओम की ध्वनि एवं गायत्री मंत्र के उच्चारण पश्चात योगाभ्यास प्रारंभ किया गया। साथ ही विभिन्न प्रकार के योगासन व प्राणायाम भी कराया गया। दयानंद शिक्षा समिति के अध्यक्ष डॉ. राघवेंद्र सिंह गुप्ता, उपाध्यक्ष श्रीमती आभा रानी गुप्ता, कार्यकारी अध्यक्ष दिग्विजय सिंह गुप्ता द्वारा योग दिवस की शुभकामनाएं दी गई। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उपप्राचार्य डॉ. नीतू सिंह, धर्मपाल पब्लिक स्कूल की प्राचार्य आलिया खान, विभिन्न संकाय की विभागाध्यक्ष, समस्त सहायक प्राध्यापिकाएं कर्मचारी गण एवं छात्राओं के द्वारा योगा-अभ्यास किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्राओं को हेमचंद यादव विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त 'बी' सर्टिफिकेट को महाविद्यालय में छात्राओं को प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती निशा साहू ने किया।

पत्रिका 6/07/24

स्वामी विवेकानंद के विचारों पर वैचारिक संगोष्ठी आयोजित

दुर्ग @ पत्रिका . घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय, दुर्ग में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि के अवसर वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्यअतिथि आभारानी गुप्ता ने स्वामी विवेकानंद के विचारों से विद्यार्थियों को अवगत कराया और कहा कि हम जीवन के हर क्षण में उनसे प्रेरित होते हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मृदुला वर्मा, उपप्राचार्य डॉ नीतू सिंह, डॉ आस्था सिजारिया, डॉ तृप्ति खनंग व डॉ प्रीतिका ताम्रकार ने भी अपने विचारों से विद्यार्थियों को लाभान्वित किया। समस्त कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन कार्यक्रम अधिकारी निशा साहू ने किया। आभार प्रदर्शन वाणिज्य विभागाध्यक्ष विनोद सोनवानी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त अध्यापकगण एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

हरिभूमि 6/07/24

हमें विवेकानंद स्वामी के विचारों से प्रेरणा लेनी चाहिए: गुप्ता

दुर्ग। घनश्याम सिंह आर्य कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रेरणा पुरुष स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आभारानी गुप्ता थी। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों से विद्यार्थियों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि हम जीवन के हर क्षण में उनसे प्रेरित होते हैं। हमें विवेकानंद के विचारों से प्रेरणा लेने की जरुरत है। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. मृदुला वर्मा, उपप्राचार्य डॉ. नीतू सिंह, डॉ. आस्था सिजारिया, डॉ. तृप्ति खनंग, डॉ. प्रीतिका ताम्रकार ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन कार्यक्रम अधिकारी निशा साहू ने किया। कार्यक्रम का आभार वाणिज्य विभागाध्यक्ष विनोद सोनवानी ने व्यक्त किया।